



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY.

सं० 71]
No. 71]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 10, 1986/माघ 21, 1907
NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 10, 1986/MAGHA 21, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1986

अधिसूचनाएं

मा.का.नि. 104(अ).—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली नगर निगम
अधिनियम 1957 (1957 का 66) की धारा 345क की उपधारा (1)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है,
अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम
दिल्ली नगर निगम (अप्राधिकृत संनिर्माण सील बन्द करना) नियम,
1986 है।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2 परिभाषाएं :—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अपेक्षित
न हो :—

(क) 'अधिनियम' से दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 (1957
66) अभिप्रेत है,

(ख) 'प्रणामक' से दिल्ली सद्य राज्य क्षेत्र का प्रणामक अभिप्रेत
है,

(ग) 'आयुक्त' से निगम का युक्त आभिश्रेत है,

(घ) 'निगम' से दिल्ली नगर निगम अभिप्रेत है,

(ङ) उन शब्दों और पदों के जो इस में प्रयुक्त हैं, किन्तु परि-
भाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके दिल्ली नगर
निगम अधिनियम, 1957 (1957 का 66) में हैं।

3. अप्राधिकृत संनिर्माणों को सील बन्द करने की रीति :—(1)
आयुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत कोई
अधिकारी, आदेश द्वारा उसमें अभिलिखित किए जाने वाले कारणों से
इस निमित्त विशेष रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति या किसी नगरपालिक
अधिकारी या किसी अन्य नगरपालिक कर्मचारी को जो निगम के
किसी कनिष्ठ इंजीनियर की पंक्ति से नीचे का न हो, अधिनियम की धारा
345क के अधीन किसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील
बन्द करने का निर्देश दे सकेगा।

(2) उप नियम (1) के अधीन किए गए आदेश की एक प्रति
ऐसे परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण के सील बन्द किए जाने के ठीक
पश्चात्त परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण के स्वामी या अधिभोगी को
परिदत्त की जाएगी और यदि स्वामी या अधिभोगी स्थल पर उपलब्ध

नहीं है तो वहाँ उक्त प्रति उक्त परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण के किसी सहजदृश्य स्थान पर लगा दी जाएगी।

(3) ऐसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण का स्वामी या अधिभोगी जिसकी यथास्थिति, परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को उप नियम (1) के अधीन सील बन्द कर दिया गया है, आयुक्त या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी अधिकारी से ऐसे आदेश का एक प्रमाणित प्रति अभिप्राप्त कर सकेगा।

(4) उप नियम (1) में निर्दिष्ट व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या नगरपालिक कर्मचारी अप्राधिकृत संनिर्माण को सील बन्द करने से पूर्व (लगभग) मापमान के साथ अप्राधिकृत संनिर्माण का मोटे तौर पर एक स्केच या रेखाक तैयार करेगा।

(5) उप नियम (1) में निर्दिष्ट व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या अन्य नगरपालिक कर्मचारी ऐसा परिसरों के जिनमें अप्राधिकृत संनिर्माण किया गया है या किया जा रहा है या अप्राधिकृत संनिर्माण के बाहरी द्वार या निकाम को यह सुनिश्चित करने के पश्चात् सील बन्द कर सकेगा कि परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण के अन्य निगम-द्वारों और प्रवेश द्वारों पर समचित रूप में ताला लगा दिया गया है, उन्हें बन्द कर दिया गया है या उनकी तार, रस्सी या तार की तालें या कोई अन्य सामग्री लगाकर घेरा बन्दी लगा दी गई है और जहाँ ऐसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को तार, रस्सी या तार की जाली या किसी अन्य सामग्री से नहीं घेरा जा सकता है या उसमें ऐसी अड़ालें की कोई दीवार नहीं है जिनमें उसका सील बन्द करना कठिन होता हो, वहाँ यथापूर्वोक्त व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या अन्य नगरपालिक कर्मचारी को उस रीति में गड़बड़ करने या छेड़छाड़ करने के खिलाफ यह सुनिश्चित करने की दृष्टि से कि कोई भी व्यक्ति उप नियम (1) के अधीन सील को तोड़े या हटाए बिना भवन या अप्राधिकृत संनिर्माण में प्रवेश नहीं कर सके या उसे खोल नहीं सके, कोई अन्य उपाय, जिसके अंतर्गत किसी व्यक्ति की निगरानी करने के प्रयोजनों के लिए तैयार, भी है, करने या अपनाने के लिए प्राधिकृत किया जाएगा।

(6) जहाँ कोई परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण जिसके बारे में इस नियम के अधीन सील बन्द किए जाने का आदेश किया गया है, ताला लगा हुआ पाया जाता है या वह आगम्य है, तो वहाँ परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील बन्द करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या कोई अन्य नगरपालिक कर्मचारी, ताला तोड़ सकेगा या उसके किसी द्वार दरवाजे या किसी अन्य रोध को खोल सकेगा या खुलवा सकेगा और उस अप्राधिकृत संनिर्माण या परिसर में प्रवेश कर सकेगा जहाँ अप्राधिकृत संनिर्माण किया गया है या किया जा रहा है जिसमें कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अप्राधिकृत संनिर्माण या परिसर भीतर से भलीभाँति बन्द है और तब उस परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण पर ताला लगा सवेला और उसे सील बन्द कर सकेगा।

परन्तु जहाँ किसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को बलपूर्वक खोला जाता है वहाँ परिसर में या अप्राधिकृत संनिर्माण के स्थल पर पाए गये सामान या सामग्री की एक तालिका दो साक्षियों की उपस्थिति में तैयार की जाएगी और उसकी एक प्रति उक्त स्थल पर उपस्थित स्वामी या अधिभोगी को परिदत्त कर दी जाएगी।

(7) उपरोक्त निर्दिष्ट परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को दिनांक नगर निगम की मुद्रा में सील बन्द किया जाएगा जो आयुक्त द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत अधिकारी की अभिरक्षा में रहेगा।

(8) ऐसा कोई व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या कोई अन्य नगरपालिक कर्मचारी जिसे परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील बन्द करने का निदेश दिया गया है, इसमें इसके पूर्व उपबध्ति रीति में ऐसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील बन्द किए जाने के पश्चात् लिखित रूप में निम्नलिखित को सूचना देगा,—

(क) उक्त क्षेत्र के पुलिस थाने को जिसमें अप्राधिकृत संनिर्माण या परिसर स्थित है, या

(ख) किसी ऐसे अन्य पुलिस थाने को, जो इस प्रयोजन के लिए इस निमित्त विनिर्दिष्ट किया जाए, और

(ग) उक्त अधिकारी को जिसके निदेश पर उस परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील किया गया है।

4 परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण की सील को बिगाड़ना.—कोई ऐसा व्यक्ति, नगरपालिक अधिकारी या नगरपालिक कर्मचारी चाहे वह परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण को सील बन्द करने के लिए प्राधिकृत हो अथवा नहीं, यह पाता है कि यथास्थिति, ऐसी परिसर या अप्राधिकृत संनिर्माण पर इन नियमों के अधीन लगाई गई सील तोड़ दी गई है या या उसको बिगाड़ दिया गया है तो वह उक्त मामले की एक लिखित रिपोर्ट तुरन्त संबंधित पुलिस थाने को करेगा।

[फा नं. 13021/10/84-दिल्ली (i)]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 10th February, 1986

NOTIFICATIONS

G.S.R. 104(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 345A of the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 (66 of 1957), the Central Government hereby makes the following rules namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Delhi Municipal Corporation (Sealing of Unauthorised Constructions) Rules, 1986.

(2) They shall come into force at once.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 (66 of 1957) ;

(b) "Administrator" means the Administrator of the Union Territory of Delhi ;

(c) "Commissioner" means the Commissioner of the Corporation ;

(d) "Corporation" means the Municipal Corporation of Delhi ;

(e) words and expressions used herein but not defined shall have the same meaning as assigned to them in the Delhi Municipal Corporation Act, 1957 (66 of 1957).

3. Manner of sealing of Unauthorised constructions.—(1) The Commissioner or an officer duly authorised by him in this behalf may, by order and for reasons recorded therein, direct any person specially authorised in this behalf or any municipal officer or any other municipal employee not below the rank of a Junior Engineer of the Corporation to seal any premises or unauthorised constructions under section 345A of the Act

(2) A copy of the order made under sub-rule (1) shall be delivered to the owner or occupier of the premises or unauthorised construction immediately after the sealing of such premises or unauthorised construction and in case the owner or the occupier is not available at the site the said copy may be pasted at some conspicuous place of the said premises or unauthorised construction.

(3) The owner or occupier of the premises or of unauthorised construction whose premises or unauthorised construction, as the case may be, has been sealed under sub-rule (1),